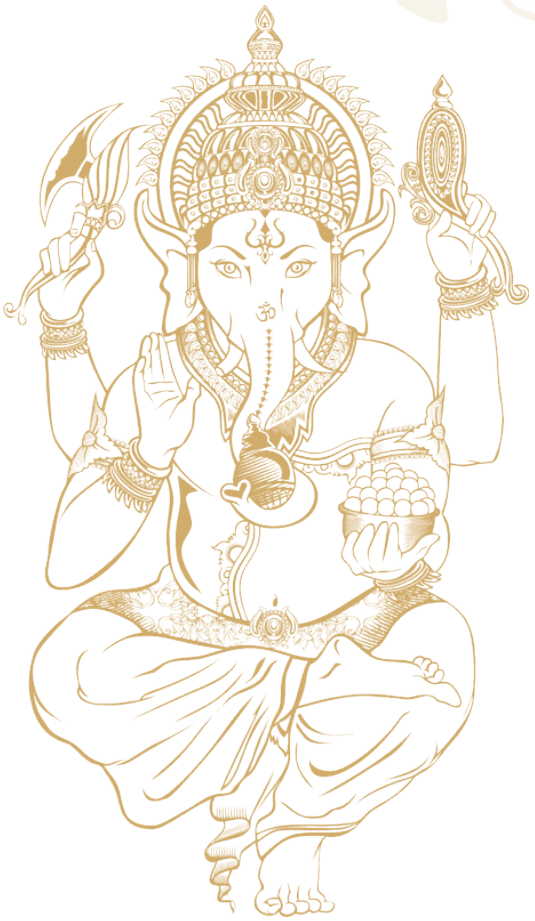

Mr.rohi

Ms.lxmi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120140207

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/07/1984	जन्म तिथि	23/08/1982
शनि-रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 00:03:00	जन्म समय	13:32:00 घंटे
घटी 46:24:05	जन्म समय(घटी)	19:04:14 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:21	सूर्योदय	05:54:18
19:22:20	सूर्यास्त	18:52:53
23:38:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:36:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 4वर्ष 4मा 1दि	22:29:07	मीन	लग्न	वृश्चि	14:36:22	मंगल 3वर्ष 0मा 24दि
बुध	22:09:37	मिथु	सूर्य	सिंह	06:15:38	शनि
09/11/2023	16:47:11	तुला	चंद्र	तुला	00:49:25	17/09/2019
08/11/2040	20:08:30	तुला	मंगल	तुला	18:15:02	17/09/2038
बुध 06/04/2026	08:10:55	कर्क	बुध	सिंह	29:55:17	शनि 20/09/2022
केतु 04/04/2027	13:24:28	धनु व	गुरु	तुला	11:12:44	बुध 30/05/2025
शुक्र 02/02/2030	28:10:05	मिथु	शुक्र	कर्क	17:14:10	केतु 09/07/2026
सूर्य 09/12/2030	16:05:20	तुला व	शनि	कन्या	25:13:11	शुक्र 07/09/2029
चन्द्र 09/05/2032	12:22:21	वृष	राहु व	मिथु	18:35:39	सूर्य 20/08/2030
मंगल 07/05/2033	12:22:21	वृश्चि	केतु व	धनु	18:35:39	चन्द्र 21/03/2032
राहु 24/11/2035	16:34:37	वृश्चि व	हर्ष	वृश्चि	07:02:58	मंगल 30/04/2033
गुरु 01/03/2038	05:58:24	धनु व	नेप व	धनु	00:42:46	राहु 05/03/2036
शनि 08/11/2040	05:40:43	तुला व	प्लूटो	तुला	01:11:12	गुरु 17/09/2038

लग्न-चलित

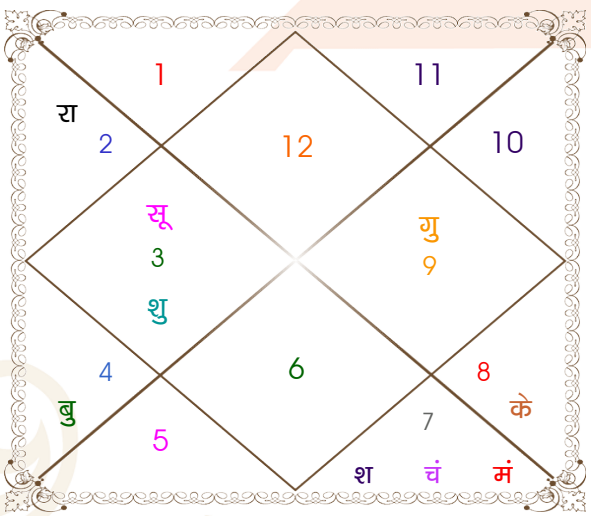

लग्न-चलित

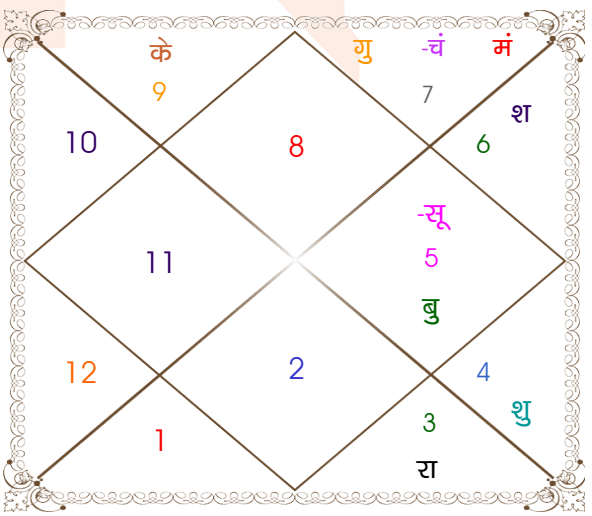

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr.rohi का वर्ग सर्प है तथा Ms.lxmi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rohi और Ms.lxmi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rohi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.rohi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.lxmi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.lxmi कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.lxmi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.lxmi कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.lxmi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.rohi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rohi तथा Ms.lxmi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।